



[illegible]

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

उज्जयिनीतटस्थाय ॥

धननासादिहृदयधनना॥

पुनश्चतुर्थायाः पादुका ॥

वागनह्यायः प्रादुर्की॥

नीतिनवायतदूकी॥

कालतत्त्वाययादुर्का॥

समाया नत्वा यथादुक्ती॥

ॐ सिद्धयद्यादिनात्ममूलार्थः॥

ॐ विद्या गत्वा यथापूर्वा ॥

नृजगुहकत्वाय जायूकीं॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सदाशिवमहायामादुकां॥

उजमकिरत्वाययादूका

ॐ शिवगत्याय नमः ॥

धृतः गालुमूलादिललान् ॥

॥ निमिषदिनहर्षं न्यासः ॥

वक्रुन्यासादिमूलवनीजिन॥

रुपवाहक व्यास॥

३५/३५ ॥ अमिता ॥ नमः ॥

नायक नाहि ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ हृदय ॥ २ ॥

वैजयंती मंत्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अमि॥ कुरु द॥ ३ ॥

मैं सांझ को धरु जवः यादू

जमिना गमत्या ५

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

उज्ज्वलं कं कयाली नवद्याया ५

कायूज्यामि॥ ललाट॥ ३

ॐ ओं औं कौं लीं वल्लभं नमः शिवाय नमः

पूजयामि॥सूक्ति॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यज्यामि

॥ मङ्गलम् ॥ ८ ॥

० वाहक की आशा ०

उमरुतकसलवनयडं॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

लोभः कलामतः नयद्रावयू॥ नवात्मा

॥ श्रीगणेशाय ॥

७५ श्रीकृत्याचारा

[illegible][illegible]

धनसआजादिन्य ॥
धननमूहर्दिगकलान्यास ॥ ३ ॥

॥
॥ ४ ॥ यैवविगतिनन्यास ॥ २५ ॥

॥ ५ ॥ आत्मनवाधिकायः वक्रः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ ६ ॥ मूर्कयः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ ७ ॥ वक्रि मूर्कयः नऊनवाधिकायः ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ ८ ॥ यस्तमानमूर्कयः कात्रातवाधि
कायः ॥ १० ॥ ॥ यादी ॥ १ ॥

॥ ९ ॥ मूर्कयः मूर्कयः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ १० ॥ मूर्कयः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ ११ ॥ मूर्कयः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ १२ ॥ मूर्कयः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ १३ ॥ मूर्कयः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ १४ ॥ मूर्कयः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ १५ ॥ मूर्कयः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ १६ ॥ मूर्कयः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ १७ ॥ मूर्कयः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ १८ ॥ मूर्कयः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ १९ ॥ मूर्कयः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ २० ॥ मूर्कयः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ २१ ॥ मूर्कयः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ २२ ॥ मूर्कयः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

॥ २३ ॥ मूर्कयः ॥ १० ॥
॥ यादी ॥ १ ॥

यादींदहिन
मूर्तिधनी॥विद्याज्ञानसुखवद्विद्वि
नतदासावनी॥
दवकुकिआदुतियाया॥

दीक्षाआदिनकावदनसाथनावि
या॥धर्मआदिनयायज्ञवसाधर्म
दीनकथयथना॥
यनाविष्टकर्मायुजायाया॥दिनका
वक॥
॥चन्दनपुष्पधूपदीप
यज्ञायवीतयुष्यादि॥आरुद्रियुजाया
यादद्विहमविय॥मिन्नकावकवाक्य॥
आवीर्यवदी॥यजमानस्यकर्मिहधि
लखाले॥

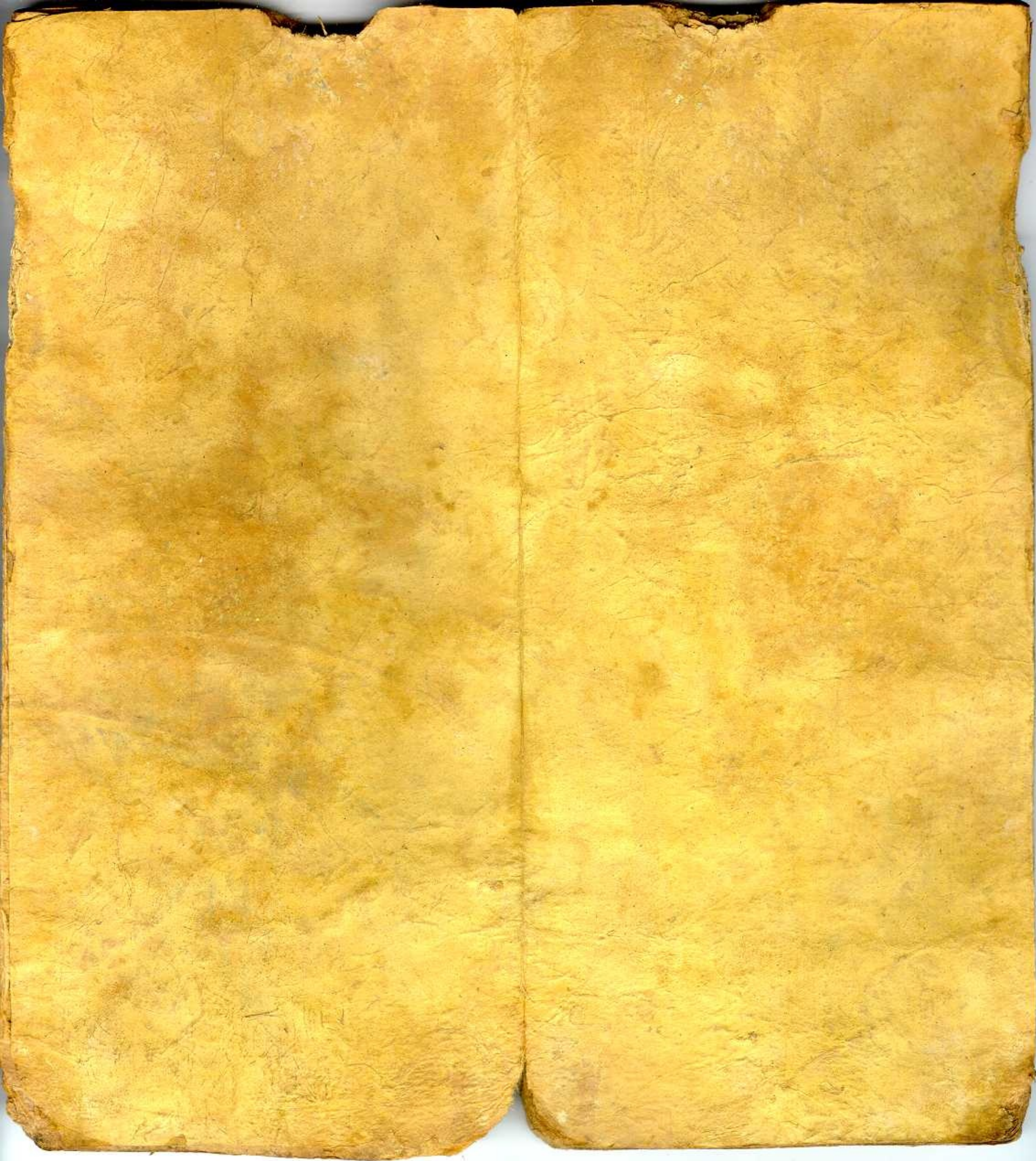
ॐ सुयवावाकुकल्ययादि॥
ॐ सुयःमासःतिथिःनक्षत्रवाचःधि
वकाववाक्य॥

उजयवमभनसर्वरुःज्ञानविज्ञान
मितज्ञानयसयायनाभयः

॥सुखकल्ययदि
॥वसु॥सना॥निर्णयितसदा॥
यत्यरुपविवर्तना॥७॥२॥युक्तोय
हमानायसर्वकामरुलेसदा॥यद
शास्यदकत्वात्रासुखेवद्वितीय
॥३॥कुवनधरुतीयति॥कर्मसुख
वेउर्थकी॥तत्त्ववयवमेपाकःसर्तुवव
उषष्टमे॥४॥सफमेवविद्यासंय
वद्यासंतथापनीचवीद्यधमकादवी
कपययवमभवी॥५॥देवमकुनः
दवति॥दवीमकुनदवता॥दवद्वाय
गवादीच॥दयकलनगिथ॥६॥
उष्णसुखसुखयुलीका॥दवसुयन
कर्मनिपादवावगवादीचदवीक
दयतद्वीट॥७॥उष्णसुखलिकासु
यविद्या॥यी०कर्मविदुः॥प्रतिदि
तासिवगिसुयतिष्ठारुवात्त्रिय॥८॥
॥निर्णयनिययक्त॥यजमानायि
द्विद्वि॥गंडुनाद्वियनिर्णयः॥

यंच उ० यद सहा मु त्वेताः
काष्ठाः शान्ता प्राज्ञा न त्वेवचायक
मानसल्लुखायं सयु क्त यष्टु वा
वव॥ १०॥ नक्षत्रमु सर्वदवशास
नदायनमानम॥ यावच्चन्द्रश्च
सूर्याश्च मदिमासक मागसा॥
१२॥ यावच्चाकाशगं गमच तावच्छ
चक्षि आरुव॥ क्षि आरुव क्षि आरु
वष्टु संरुवकु२॥ ॥ धामं वरु॥
नैयामा लकि॥ ॥ त्रैलोक्यं स
क्षि त्रय निष्ठाया यं चारुि वरु
दि॥ ॥ दक्षि॥ ॥ क्षि वरु नः
विधि॥ ॥ थन इ प्रा॥ ॥

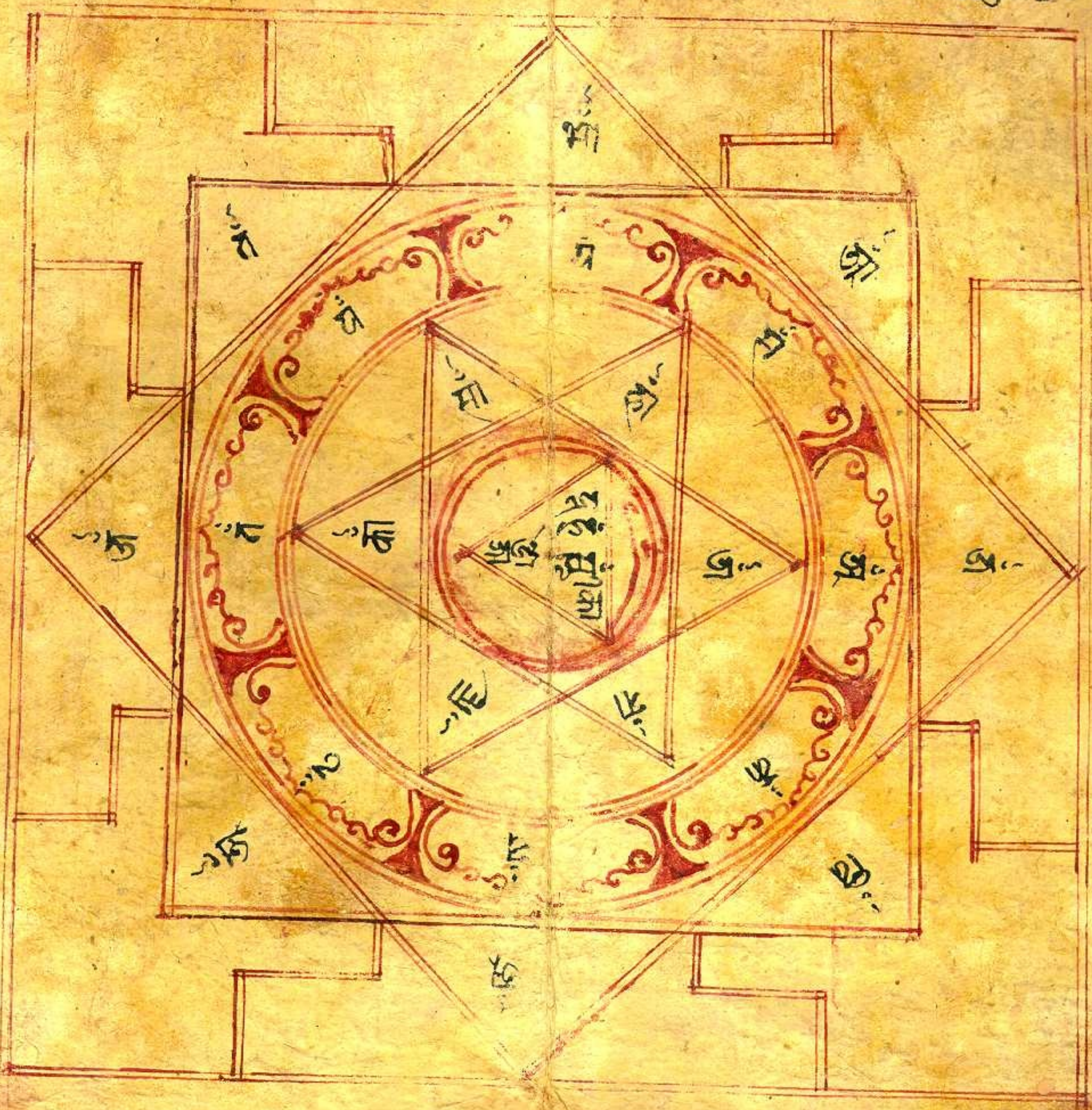
धवान्कमनः स्वर्गं दवस्तु यना
इन्द्राः आर्कं दवसमूखानमो गखा
ठन दगु लियाय॥ ॥ थन गृह
याने आदू नि वियमाल इ प्रा॥ ॥
नखादू नि॥ १००॥ वियमाय॥ ॥





Handwritten text in Devanagari script, likely a title or invocation, located at the top left of the page.

Handwritten text in Devanagari script, likely a title or invocation, located at the top right of the page.



धनलिङ्गयाश्चस्यंलाङ्गया
कावकर्मिलवहास्यं
कलंथास्यंविया॥

[illegible]

[illegible]

दुःखं ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 लुमहा रुचवायका तावी सकि सदि
 ताथ यादुकी ॥ स्वस्वमकुनवलि ॥ आ
 वादु दलुमडा ॥ ॥ नेमस्ववलिदु
 डा ॥ आसना ॥ नवा आथ नमः ॥ नेमका
 दी दूँ ॐ दूँ नेमस्वाय स्वप्ररुसाय
 नादुसा ॥ चिकथ नमः ॥ नेमै दूँ दूँ
 नेमस्वाय अधिकात्र जूमिडि द्वाहेन
 वाथ यादुकी ॥ नेम जूहु रुसमहादु
 रुका रुमहा रुचवाय वेसूवी सकि
 सदि ताथ यादुकी ॥ स्वस्वमकुनव
 लि ॥ आवादु स्वप्रमडा ॥ ॥ य
 किमवलिदुडा ॥ आसना ॥ सकजाया
 यनमः ॥ नेमै दूँ दूँ दूँ दूँ वनूलाय
 याग रुसाय जलाधि वै कथ नमः ॥
 नेमै रुं रुं रुं रुं वानूलायी अधिकात्र
 काजा द्वाहेन वाय यादुकी ॥ नेमै रुं
 कियूनमहादु रु उतनकमहा रुचवा
 य वाजा ही सकि सदि ताथ यादुकी ॥
 स्वस्वमकुनवलि ॥ आवादु यागमू
 डा ॥ ॥ वायुवलिदुडा ॥ आस
 नरुजिलायाय नमः ॥ नेमै यै यै यै

वलविश्वयनादुक्तं नमो भगवते
नायतातातुयनातातुयनातातुय
गायसंघोऽवकायकिनीडद
ययुखायगायनतयनालधिया
सर्वविद्यनित्तनादायसर्वसि
धियदायरुक्कानुकीयितायअसं
खवकुडुडयादाययठिगसिद्धा
यवेनालरासिगायसाकिनीका
रुजनकायवाधिनिरुक्कानः
लयायरुक्कयसामसूर्यामिनगा
यविष्णुवचकुडुकायॐ न्यवः
कुडुकाययमदलुयवचनयागा
यनुदगिष्णुनायकलनडिक्काय
सर्वभागविदावनाथगुरुनिरु
कानिलदुष्टनागकयकाचिल
ॐ कृष्णयिष्णुनायरुट् ॐ कृष्णायरु
ट् ॐ वज्रकुरुकायरुट् ॐ ॐ न्याय
रुट् ॐ गकायरुट् ॐ अमयरु
ट् ॐ दलुययरुट् ॐ यमायरुट् ॐ
ॐ यजायरुट् ॐ नेमलायरुट् ॐ
ॐ यागायरुट् ॐ वचनयरुट् ॐ
ॐ जायरुट् ॐ अं कुरुकायरुट् ॥

ॐ गदायरुट् ॥
ॐ द्रव्यनायरुट् ॥ ॐ गिष्णुलायरुट्
॥ ॐ ॐ गतायरुट् ॥ ॐ गुप्तायरुट्
॥ ॐ यकायरुट् ॥ ॐ यमाकायरुट्
॥ ॐ नागाकायरुट् ॥ ॐ खादकाय
यरुट् ॥ ॐ मूलकायरुट् ॥ ॐ क
लाकायरुट् ॥ ॐ ॐ गताकायरुट्
॥ ॐ यिक्तकाकाकायरुट् ॥ ॐ क
लिकाकायरुट् ॥ ॐ मागाकायरुट्
॥ ॐ वकाकायरुट् ॥ ॐ गकाकायरु
ट् ॥ ॐ नागाकायरुट् ॥ ॐ सिद्धा
कायरुट् ॥ ॐ यिलयिक्तकायरु
ट् ॥ ॐ गन्धकाकायरुट् ॥ ॐ यूर्वा
कायरुट् ॥ ॐ दक्षिणाकायरुट् ॥
ॐ वासाकायरुट् ॥ ॐ यथिमागाय
रुट् ॥ ॐ मागाकायरुट् ॥ ॐ याकि
नाकायरुट् ॥ ॐ यागिन्याकायरु
ट् ॥ ॐ गकिन्याकायरुट् ॥ ॐ ताम
नीकाकायरुट् ॥ ॐ लोमाकायरु
ट् ॥ ॐ गिवाकायेरुट् ॥ ॐ ॐ गता
नायरुट् ॥ ॐ गन्धनखाकायरुट् ॥
ॐ अथाकाकायरुट् ॥ ॐ वासाका

कालहेनर्व ॥ मां गायकवाय
हं महाभूलंकनायु डं कना
वृकिर्लका र्क कलय कालहेनर्व
॥ कयालमालिका कान कालयाच
कभोवन कयालकनसख्यं कल
यकालहेनर्व ॥ दवी कन गुणया
न किं किलि मरलाधिगं गलुल
मिड नाशुट कलय कालहेनर्व
॥ सुजाविवलदावामि शुचकेन
वसिन गुणिवकनवथावेकं क
लय कालहेनर्व ॥ वालरावयु
राकारं नीलकामलकूलं लय
नयलुकयालाडी कलय कालहे
नर्व ॥ यस्याह्म याड गत्यर्व कव
नं ड मसक थ। वरुण निदुर्यनि
र्य कलय कालहेनर्व ॥ यद्वर्दका
लनाथस्य य १० लया दूर्कसदा। स
उवलरुगकाणि यया गके गयाट
था ॥ तन ४ स्वद गगमर्ल युनवो
वद र्ल नं ४ अयनमिदु मने के
लनाथयुयकनि ॥ वाजालया ३
वायवा स सालरु यना गने का

उ नवृग य लतवितस्यनि
॥ १० ॥ मिना कालहेनर्व यागस
क ॥ ॥ यथावानयुहाजालमिया
दि ॥ वाक ॥ ड ड मानस्य शिवयासा
दहुमिया टन नकादग वल्यार्धन
निमित्तार्थन ॥ गर्थन ॥ नकानकज
मयुर्व ॥ ॥ धनलिवाक
नयं नका सिधकावडुद्यानकर
क ॥ ॥ आचार्यस्य यशिसनवा
ला र्थं ठिलिथास्यं रुयाव अमिदु
पुयाखवसन ॥ ॥ दूदवना यार्ग
दिनमालकाथा क्रिथं याहालाव
लिठ धनावायमाला ॥ दूस्कराड
न ॥ सूर्यार्थ ॥ गुननमस्कावादि आ
सयुजार्क ॥ मालनीय ॥ य ७ ॥ य ८ व
लिदशा ७ ॥ सवकान आवाहन ॥ वि
दव ॥ वलियूजा ॥ थव २ मकुन ॥ हा
लवलियूजा ॥ विदव ॥ वृक्षायादि
असिनासादि डयादि ॥ १० ॥ यादि अ
द्यानवदा वगिसि रुकाज सकाज
१० ॥ आवाक ॥ धनलि र्थं ठिस
क मर्तु नयाथविधि र्थ ॥ मलागसा

कुत ॥

॥ न ड य कि म व कुत ॥

॥ कि म स व क व ल व ड य न ॥

व व कुत ॥ आ ता रु न क ॥ ॥ व ॥

॥ कु न या का त स म भि ला स ग

कि म मूल का न व ल व ड न थ न

॥ वी व क स र्थ न क व व ड व व

ड ल व व क व या य थ थ थि न सि

धु व ल व व न व व व क स र्थ थि लि

य वि का य थ ॥ न हि वृ ड न स

वा र्थ ॥ आ नू ल व स का य ॥

थ न लि वा य थ व लि आ दि न ॥ ॥ ॥

नि ग ल व व क क व क स व व ॥ ॥

ना दि न था य ॥ क व व व थ व र

स व र्ण न न ॥ का दू या ट न र्थ थि

लि य थ ॥ य वि रु ल य ग द न व ल

ग ग दू स व न वु लि सि व व ॥ ॥

दि क स स य व व ॥ वृ व स मू ड आ

दि न व व स मू ड या ल व व ॥ ॥

दि न य व व व ॥ नी व मू गि य व

क ल्क द न म लि क व व सा ना दि व

स स ग र्थ या य ॥ ना क स ल व व

[illegible][illegible]

॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
नाम सा ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
वर्णितं ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
न विधिः ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
गर्भं सा ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
लेखा कृति अति सा य विधिः ॥

॥ यन्त्रं सती दल वलि ती या ० ती
धने स ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
विधि ती य जा माल क्रि ती मधूना
ली धने क्रि त स या विधिः ॥
नागि या विधिः ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
वाकल स अति कृणु स वाकल स
याय ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
जा याय ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
य ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
यशका कलंक स काय ॥ अथ विधिः ॥
कल नाद न या व स म य था द ॥
अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
वन का री विधिः ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
नि ॥

॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
निका का कृ ल क था ल द को कृ
अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
अन या य या विधिः ॥ अथ विधिः ॥
वा री न का री यन्त्रं द व न था
दा व सति व न दा व वलि विधिः ॥
क थ ना वलि रु व न वलि आ दि
त माल का द य की म लु य का य की
॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
धि ती ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
धन ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
धन तिल वलि या विधिः ॥
॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
ला व की विधिः ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
स आदि त य जा ग श विधिः ॥
॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
क या द विधिः ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
मान यन्त्रं स द वा दा व रि ती ॥
लि या व की ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
क या द सा त क का री अथ विधिः ॥
अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥
का विधिः ॥ अथ विधिः ॥ अथ विधिः ॥

का नव ज ज मान द ल त या व क

॥ कू दा व न ड वृ त न कु व क ॥ वी
ल क य का य द वृ त न य ॥ ध न
लि व लि वि स र्जु न का य ध य र स
॥ मूल व लि रु का द व न द हा क
लू य ॥ ॥ ना रि क स का मा
नी यू डा ॥ वी ल क न य या द वृ त
स म य ॥ हा क ॥ क ली क का य ॥ ड
ड मान या ध का मा नी यू डा या स म
य त ना रु न ॥ ध न यू ल क दू या
वि क्षा न ॥

य कू क दू व रु धि क दू या वि क्षा
न ॥ वी क ल सी जू नि का र्थ या य ॥
जा वा द हा सी यू नू क स माल क
व लि द य का व ध र्म नि ला य य वि
स द गु नि या य ॥ धू य दी य जा य यु
ग ॥ द क्षि ण धू त दा व व लि वि स र्जु
न या द का य ॥ ड ड मान या न वि थ
॥ ध न र द्वा कू ति व रु धि द वा र्च न
वि क्षि ॥ ध न कू रू द व ना र्थ यू
जा माल व ॥

॥ वृ ना य न दा व न वृ न ग मा त हा
॥ जा वा द हा सी जू नि कू लु या द
न न व लि कू या न न या व ड का त द
न वि र वि वि थि ॥ व लि वि स र्जु
न या दा व क ली क स का य ॥ ध या
यू ड न डू मि या ध न न कू या न वि या
यू ड न रु क ॥ ॥ ध न लि वा कू
ल सी कू लु या न लू दा व का व य रू
या य ॥ धू त दा व ड ड मान जा दि त
वा दा व वृ स न लू वृ य क ल व न
॥ वृ या व स क ली घा न या दा व लि
दा व या व थ व ति य क र्म या य ॥
॥ वृ त वा कू ल सी कू सा र्थ न या य
॥ जा वा द हा सी रू द द व ना र्थ
जा दि त माल का द य का व ध र्म नि
ला या द व न वा दा व ध र्म नि ला
सी व लि सी यू ड न या य ॥ न व दा व
व लि वि स र्जु न या दा व माल रू का य
॥ ड ड मान मा रु ती स्था न वि थ ॥ ध
न सी रू द द व ना र्थ यू डा का य
ध न र द्वा कू ति नि र्मा ल य वा कू
म नि व र्णा र्च न यू डा नि मि या र्थ

॥ दे हि
 दत का व दंदा या य या वि धा न ॥
 वा कल सी ड इ या य ॥ जा वा द का
 सी य धि स की रु थं का व रु या व
 वा कल स वि व स था का व क मा
 स न या य व लि स का य या ज नू क
 स न यू ड न या य ॥ धू य दी य डाय
 का गु ॥ ध न लि था न स यू जा व
 न ॥ लि का व या व व लि (अ या व का
 य ॥ ड ड मा न मा रु ती स्वा न वि थ ॥ ध
 न लि वा कल स क वा दा व थ धि
 स था द का या व य म थ या थ ॥ ध रं
 व र्थ व र्द्ध न वि धि ॥ ॥ क्रि थं
 द व न था य की का वा व लि जू नि
 स था य न धू न क ॥ ॥ यू नू क थ
 थ व डु धि का कू व लि का य धू न
 दा व जू यु म नु न र्थ न की थ य क
 ॥ ॥ जू नि का य का कू या वा क
 ॥ ड ड मा न रा नि व या सा दा य लि स
 व र्ण क ल स का जा व ला रु न जू नि
 का य नि मि त्या र्थ न ॥ ॥ ग डु धि
 का कू या वा क ॥ स व र्ण क ल स

॥ जा व ला रु न यू डा नि मि त्या र्थ
 न ॥ ॥ व रु था न द क कू या वा क
 ॥ व का कू नि यू र्ण नि मि त्या र्थ न ॥
 ॥ यू र्ण क कू या वा क ॥ व का कू नि
 ड रु र्थ यू र्ण नि मि त्या र्थ न ॥

॥ ति नि व न का कू नि क मा वा र्थ
 वि धि य मा य ॥ ॥ रु म यु स व दा ॥

॥ निवृत्तान्ताया वयस्य ॥ तु मिथा
धनकृद्गुणार्थविधिः ॥ स्नानयूजा
३ ॥ वलि १ ॥ रुवट २ ॥ गायत्र्य
वायधुतिरिदाल ३ ३ यू ५ ॥ क
र्णयदाङ्ग १ ॥ यैकेङ्ग ५ ॥ अद्वान
दिष्टिङ्ग १ ॥ दाद १ ॥ नवलि १ ॥ मजान
वद १ ॥ मलजा १ ॥ दगुर्क १ ॥ ॥ काय
का ॥ अङ्ग १ ॥ तङ्का १ ॥ समथङ्ग १ ॥ धाना
३ ॥ वायाया १ ॥ लायायङ्ग १ ॥ धावायि
नाय १ ॥ मदायूजा १ ॥ रुवटवाक
दमाङ्ग १ ॥ सङ्का १ ॥ मालकाय

१ ॥ तङ्कायान्तकया विधानं वयस्य
विधिः ॥ स्नानयूजा १ ॥ वलि रुवट १
समङ्ग १ ॥ धाना १ ॥ वाक्कलकु १ ॥ मज
नयाय ॥ अङ्गादहासी चतुषि ०
३ ॥ याटङ्का काविथ ॥ धनधुदाव
वाक्कयन ॥ मदाका नतङ्का न
क ॥ धनधुदाव वलिविङ्ग नयाका
वचतुषथसङ्काय ॥ रुवटवद
क ॥ मालका मदायूजा ॥ धनतङ्का
नकविधिः ॥

१ ॥ अर्थतु मिथाटनया विधानं ॥ स्नान
यूजा १ ॥ गायत्र्यवायधुतिरुङ्का ५
३ ॥ कर्ण २ ॥ यैकेङ्ग १ ॥ अद्वान १ ॥ सिन्धु
विलिङ्ग याट १ ॥ धुयवाय वतुषमथ
१ ॥ वलियाट १ ॥ रुवट याट १ ॥ रुव
दवटाक ॥ मालका मदायूजा ॥ अतस
यिताय सद्गुर्क १ ॥ धनतुद्यालक
विधिः ॥

१ ॥ यादकायन विधानं ॥ स्नानयूजा १
गायत्र्याटवायधुतिरुङ्का ३ ॥ दिष्टि
ङ्ग १ ॥ कर्ण १ ॥ यैकेङ्ग १ ॥ अद्वान १
धुयवाय समथङ्ग १ ॥ धाना १ ॥ वलि
याट १ ॥ रुवट याट १ ॥ रुवटव
टाक ॥ मालका मदायूजा ॥ अतयिताय स
यैथाय १ ॥ यालङ्ग १ ॥ दगुर्क १ ॥ लिङ्का
वयावकुणकुक्कलयूजाविधिः ॥ थ
हंसमाल १ ॥ काययादकायनविधि
॥

१ ॥ अर्थदवकायन विधानं ॥ स्नान
यूजा १ ॥ गायत्र्याटवायधुतिरुङ्का ३ ॥
दिष्टिङ्ग १ ॥ कर्ण १ ॥ यैकेङ्ग १ ॥ अद्वान १ ॥ धु
यवाय वतुषमथट १ ॥ सिन्धु विङ्ग १ ॥ लि

दक्षिण (क) २० रुत छाट २५

समस्त श्रद्धा दत्त हंस मालव ॥
दत्त मालव ॥ श्रद्धा
वक्ता यत्न विधि ॥

१ अर्थ द्वालस्काय विधि ॥ स्वातयूजा २
दिष्टि ३ १ जूयवान १ कर्ण यदा का ३ १
यस्य यदा का ३ ४ रुवट १ वलि माल
क ॥ अन् ५० द ३ ५ स ४ तीयूजा मा
ल ॥ ॥ अर्थ द्वाजस्काय यथा ती विधि ॥

१ वृ लिका स्था यन विधि न ॥ स्नान यू जा
३ २ भ गै यू जा माल क्क दि दि ॥ अ दू वाल
क र्ण य ना का यै र्क य ना का रु व ट
द लि माल क्क ॥ ३ ३ न व लि माल क्क ॥ ३
मु र्क ॥ ३ य माल का ॥ ३ वृ लिका स्था
यन विधि ॥

शिविथियू जा यार्ने विधान ॥ खानयू
 जा रु २ वलि २ दान्दू १०० नवलि १००
 दिदि, कर्लू, यणा का, येरू यटा का, भू
 दू बाल, ये चामृत, सय रु ली सा य रु थ
 न विथियू जा यार्ने विधि ॥

स्वानुशासः जायु जामालका मसि

मउ१० हासिकिलि० नका० १० डा०
का० १० नका० युका० उका० खात० थभमं
उयन्ययार्त्त॥

२धर्मो लिला या विधान ॥ स्वातयुजाश
नलिमालका कुसिकिलि कुफलका
विद्याटक मन्त्रावतधन रुल नील
मृग यक्षनाग कुललका न कवन्दन
खलु कुठली कंसली दलिलि दाल रु
निधन वल उयाधन मन्त्रक सा माय
नादावा कल मुठि सिङ्गल श्यामा
खाल दद द्वा द्वा रुल अकत पूर
मालका लीन शिकान खड्डे अष्ट
गुथ कदा नदय कंधया लकवन्द
नथ ली यन डाहा यल थन ध
र्मो लिला या विधि ॥

१ स्यात्तयू जा ३ १ जायू जा माल का थ
थन झा का मणु ल हि गुठि वृत्त रु
निश्चान वृत्त उ ला हा वल उ सिन्धु
लिलै ६ १ झा दू या ग ना १ यै व स ग
का नायू हा कू झा दू १ यू का थान कू
१ १ अर्थ कल स १ थन माव १ द वे या
ग १ झा दू वृत्त ३ नायू १ हा कू १ यू १

कं तं खाना ॥ लखना ॥ सिद्धाख
ना ॥ कयलखना ॥ लखना ॥ लखना
तं खना ॥ दुसमदलख ॥ यं दल
लं यादका ॥ अकायादका ॥ लं यल
यं नल ॥

१ ॥ लं तं लं कौ कौ तं तं यं विधि ॥
कौ हाखला यं नल जा तं गव ॥
यं नल सावि ॥

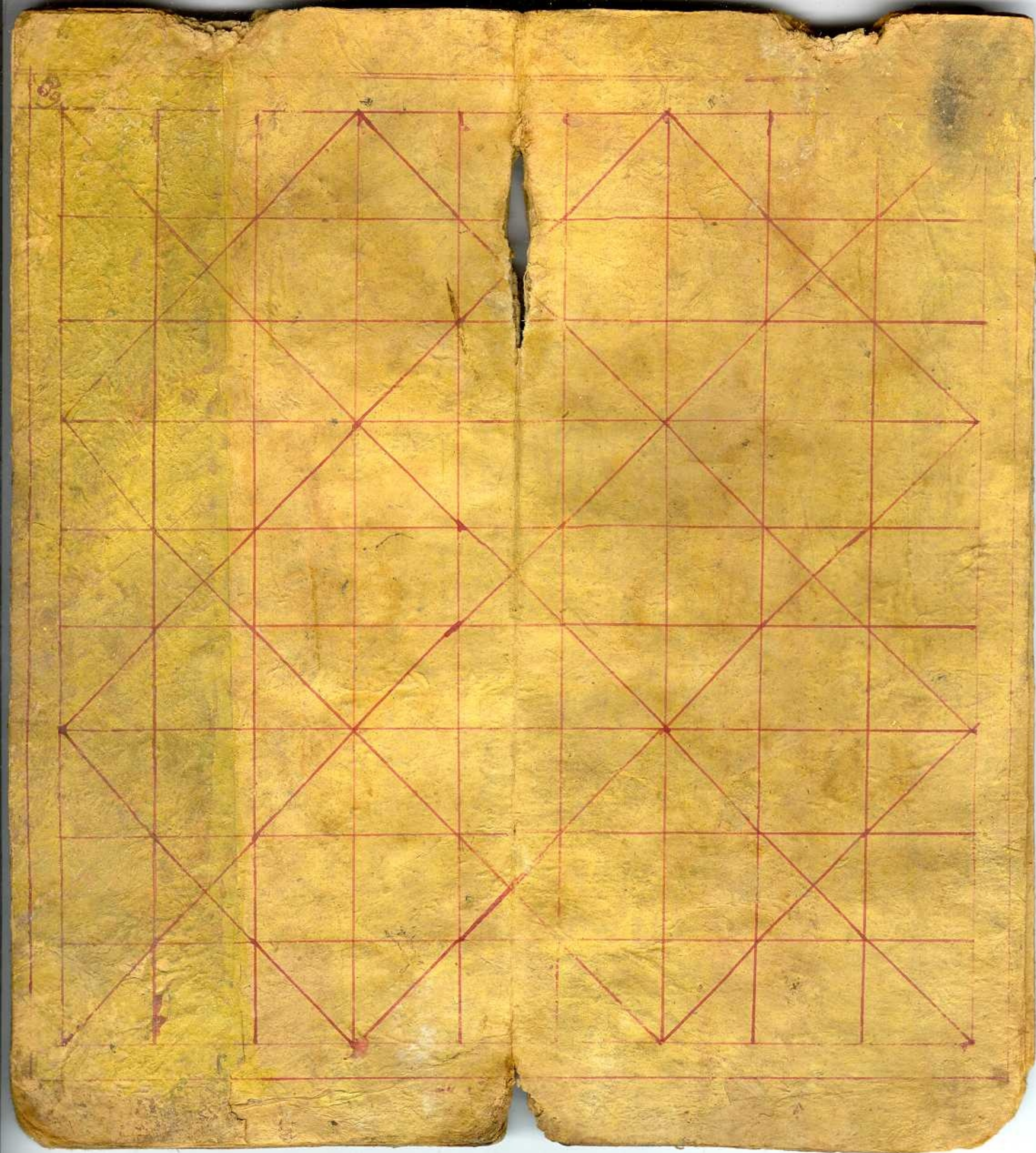
कौ हाखला ॥ लं लाया यं नल काव
कौ यं ताता यं ॥ १०

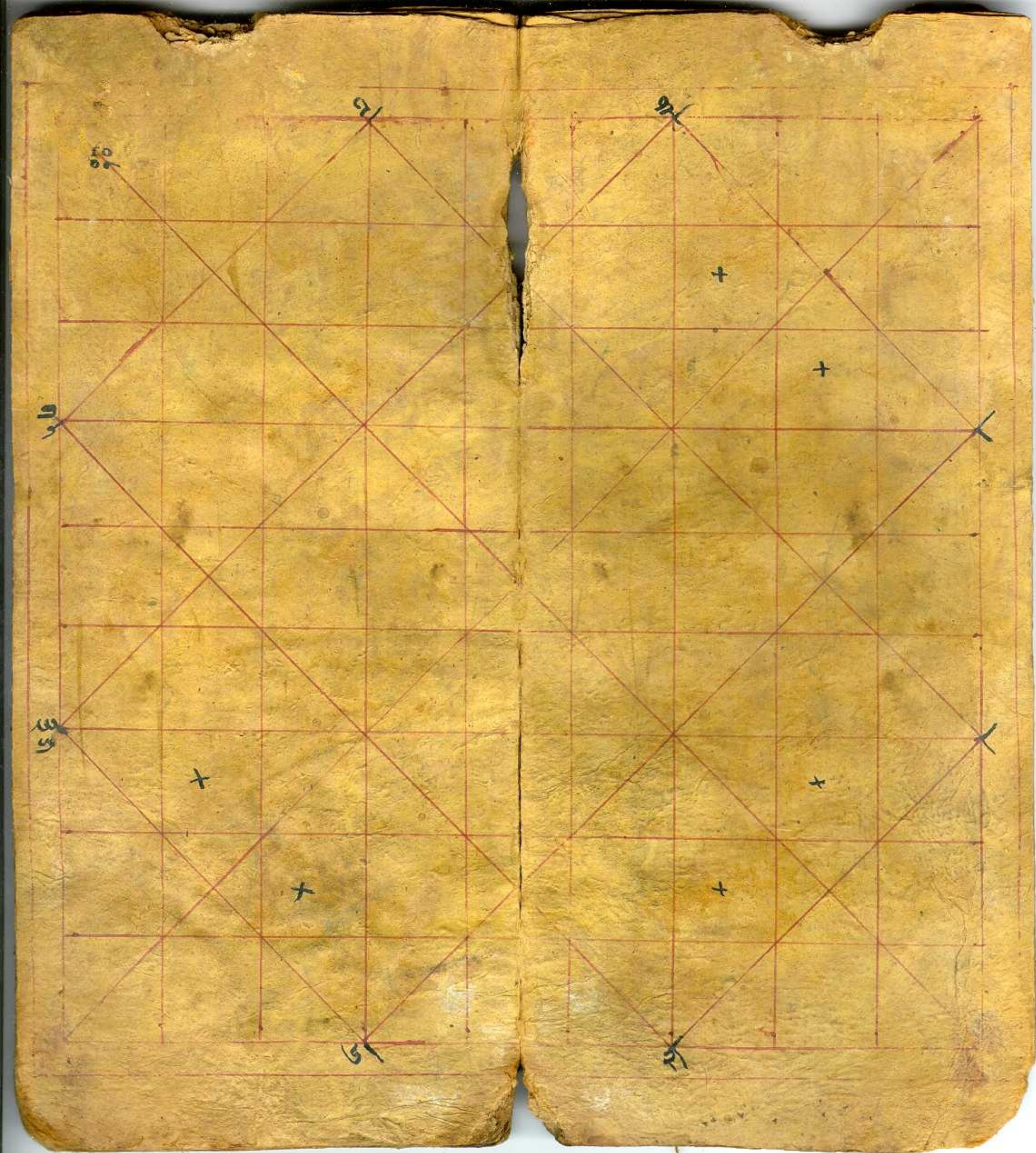
॥ लं ॥ साव ॥
सिद्धलुयाया ॥
कौ यं वलि ॥ १० ॥
कौ यं खला ॥ १० ॥
यं ताखलाया ॥ १० ॥
यं लायाया ॥ १० ॥
गं थं ॥

उसम ॥ १ ॥ सिद्धलुया ॥ ॥ अका
खला ॥ लं लाया ॥ लं लाया
लं ॥ अकाया ॥ लं ॥ लं लाया ॥
लं यं ॥ लं लाया ॥ १० ॥ अकाया
॥ १० ॥ लं लाया ॥ ॥ अकाया ॥
॥ लाया ॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥
॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥

सिद्धलुया ॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥
सिद्धलुया ॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥
॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥
॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥
॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥
॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥

कावला ॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥
॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥
॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥
॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥
॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥
॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥ ॥ लं लाया ॥





॥ ता य स्वा त त र्मा
 य क र्मा ॥ ध्या न क य क र्मा र्मा गु त
 ॥ ध्या ल स क व च म कृ त क सि त व
 य क र्मा ॥ ॥ अ ध्या न मू न ण क य क र्मा
 धा क र्मा ॥ ध त लि व लि वि स र्ज त या द
 व च गु व थ स क य र्मा

वाचं शृणु (मयथायस ॥ नका युका
 अकन ॥ उपययमनु ॥ नैकी श्रीकुं
 श्रीकालिकामहाकालिमांशानिर्दि
 शानि नैकी श्रीकुं नका कुरुमुखीय
 उमां मां यस्य लुगववृष्णी द्वादयेयू
 नी द्वादये पादुकां ॥ १ ॥ नैशनमा
 रुगवनिशुद्धवाञ्छालिनीयुवधिव
 मांशरुक्तीकपालखट्वाञ्छात्रि
 नी रुनरुदरुधमरुयवशममं
 रुयसरुमावयरुदुं ३ रुट्टणीनि
 यादूनीमि वसिपादुकां ॥ २ ॥ नैशन
 कुं कुं कुं श्रीनिखादूनीनिखायां
 रुट्ट पादुकां ॥ ३ ॥

नैऋतकालिआमिमहिआमवयुः
हस्तकालिआमिमहिआमिडल्लहि

श्रीसदृशलरी श्री श्री कवच
 नीकतयपादकां ॥ १ ॥ नैश
 वकमहावक यामुष्टुष्टवीशुव
 नवस्त्राष्टीनगदूनीनयपाद
 कां ॥ १ ॥ नैशगुष्टुकुष्टिकदूरुष्ट
 ममसर्वापदवानयनमनननन
 धूपयागदिकानेनननननकार
 यिनानकविद्वनिकनान्मन्त्राननन
 रदद्वकवालीरुष्टीदूरुष्टगुष्ट
 कुष्टिकश्रुष्टदूनीश्रुष्टपादकां ॥
 ॥ ३ ॥ नैशगुष्टुदूनी ॥ ॥ नैश
 नमारुगवतिद्वकमलायेकां
 ददयायपादकां ॥ १ ॥ नैशगुष्टु
 कुष्टिकायकलदीपायेकां श्रीनि
 वसेस्त्राष्टी ॥ २ ॥ नैशगुष्टुकां
 वचननिश्चयदूष्टीगिरवायेवाष्ट
 ॥ ३ ॥ नैशगुष्टुवाचनश्रुष्टावा
 मस्त्रीवदूष्टुपायेकां श्रीकवचायदू
 ॥ ४ ॥ नैशगुष्टुमहानाविकाय
 कां श्रीनगदूष्टुवचन ॥ १ ॥ नैश
 किलि २ विचकाकनोयेकां श्री
 श्रुष्टायरुष्ट ॥ ५ ॥ नैशगुष्टुग

श्रुत्वा न॥ वरु॥ तनि॥ सि॥ ३ ॥ श्रुत्वा
वास्तु॥ २० ॥ आनृक्षु॥ गाय॥ आयस
हाल॥ ॥



